राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 57 वीं बैठक

प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG), गंगा नदी, महाकुंभ, सीवेज उपचार संयंत्र, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB), स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR) परियोजना, राष्ट्रीय गंगा परिषद, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (EPA), 1986 ।

मुख्य परीक्षा के लिये:

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) का कार्यान्वयन एवं गंगा नदी के पारिस्थितिकी स्वास्थ्य को बनाए रखने में इसकी भूमिका।

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) की कार्यकारी समिति (EC) की 57वीं बैठक में विभिन्न राज्यों में प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

- इन परियोजनाओं का उद्देश्य गंगा नदी **के संरक्षण और स्वच्छता** के साथ महाकुंभ **2025 के दौरान IEC (सूचना, शिक्षा और संचार)** गतिविधियों का समन्वय करना है।

बैठक के दौरान अनुमोदित प्रमुख परियोजनाएँ कौन सी हैं?

- **सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP):** कार्यकारिणी समिति ने बिहार के कटिहार और सुपौल तथा उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में STP **को मंजूरी दी।**
  - STP द्वारा **सीवेज और प्रदूषकों को हटाकर जल को शुद्ध किया जाता है** जिससे यह प्राकृतिक जल स्रोतों में छोड़े जाने के लिये उपयुक्त हो जाता है।
- **STP की निगरानी: इसमें** गंगा नदी बेसिन में मौजूदा STP की **ऑनलाइन निगरानी को** मज़बूत करने के लिये एक ऑनलाइन सतत् अपशिष्ट निगरानी प्रणाली (OCEMS) की स्थापना शामिल है।
- **महाकुंभ, 2025 में IEC गतिविधियाँ:** महाकुंभ 2025 के दौरान स्वच्छता और जागरूकता बढ़ाने के लिये **IEC (सूचना, शिक्षा और संचार)** गतिविधि-आधारित परियोजना को मंजूरी दी गई है।
  - **इस परियोजना में 'पेंट माई सिटी'** और भित्ति चित्र कला के माध्यम से मेला क्षेत्र और शहर को सजाना शामिल है।
- **PIAS परियोजना:** इस समिति ने प्रदूषण सूची, मूल्यांकन और निगरानी (PIAS) परियोजना की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु इसके अंतर्गत जनशक्ति की भूमिका को बढ़ाने पर बल दिया।
  - PIAS परियोजना को औद्योगिक प्रदूषण की निगरानी के लिये केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा संचालित किया जाता है।
- **SLCR परियोजना:** इस समिति ने देश भर में **छोटी नदियों** के पुनरुद्धार में तेज़ी लाने के लिये **'**स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (SLCR) परियोजना के प्रमुख घटकों को मंजूरी दी।
- **कछुआ एवं घड़ियाल संरक्षण:** उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित **कुकरैल** घड़ियाल **पुनर्वास केंद्र में मीठे जल के कछुआ** एवं **घड़ियाल संरक्षण तथा** प्रजनन कार्यक्रम को मंजूरी दी गई।

NMCG के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय: यह** गंगा नदी के **पुनरुद्धार और संरक्षण** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - **इसे सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत 12** अगस्त 2011 को एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- **विधिक ढाँचा: यह राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA)** की कार्यान्वयन शाखा है जिसका गठन **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (EPA), 1986** के प्रावधानों के तहत किया गया था।
  - वर्ष 2016 में NGRBA के विघटन के बाद यह **राष्ट्रीय गंगा नदी पुनरुद्धार, संरक्षण और प्रबंधन परिषद** (राष्ट्रीय गंगा परिषद) **की कार्यान्वयन शाखा है।**

- NGC द्वारा नदी में जल का निरंतर पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करने के साथ पर्यावरण प्रदूषण को रोकने, नियंत्रित करने और कम करने में भूमिका निभाई जाती है।

- **NMCG की प्रबंधन संरचना:** NMCG **की प्रबंधन संरचना दो-स्तरीय है** और दोनों का नेतृत्व **NMCG के महानिदेशक (DG) करते हैं।**
  - **गवर्निंग काउंसिल:** NMCG की सामान्य नीतियों का प्रबंधन करती है।
  - **कार्यकारी समिति: यह 1,000 करोड़ रुपए** तक के वित्तीय परिव्यय वाली परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिये अधिकृत है।
- **गंगा संरक्षण के लिये पाँच स्तरीय संरचना:** पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (EPA), 1986 में गंगा नदी के प्रभावी प्रबंधन और पुनरुद्धार के लिये **राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर** पर **पाँच स्तरीय संरचना की परिकल्पना की गई है।**
  - **राष्ट्रीय गंगा परिषद: भारत के** प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली यह परिषद **निगरानी हेतु सर्वोच्च निकाय है।**
  - **अधिकार प्राप्त कार्यबल (ETF): केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में** यह कार्यबल गंगा नदी के पुनरुद्धार पर केंद्रित कार्रवाई हेतु ज़िम्मेदार है।
  - **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG):** यह मिशन गंगा की सफाई और कायाकल्प के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के लिये **कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करता है।**
  - **राज्य गंगा समितियाँ: ये समितियाँ** अपने अधिकार क्षेत्र में **विशिष्ट उपायों को** लागू करने के लिये राज्य स्तर पर कार्य करती हैं।
  - **जिला गंगा समितियाँ: गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के निकट** प्रत्येक निर्दिष्ट ज़िले में स्थापित ये समितियाँ जमीनी स्तर पर कार्य करती हैं।

//

दृष्टि The Vision

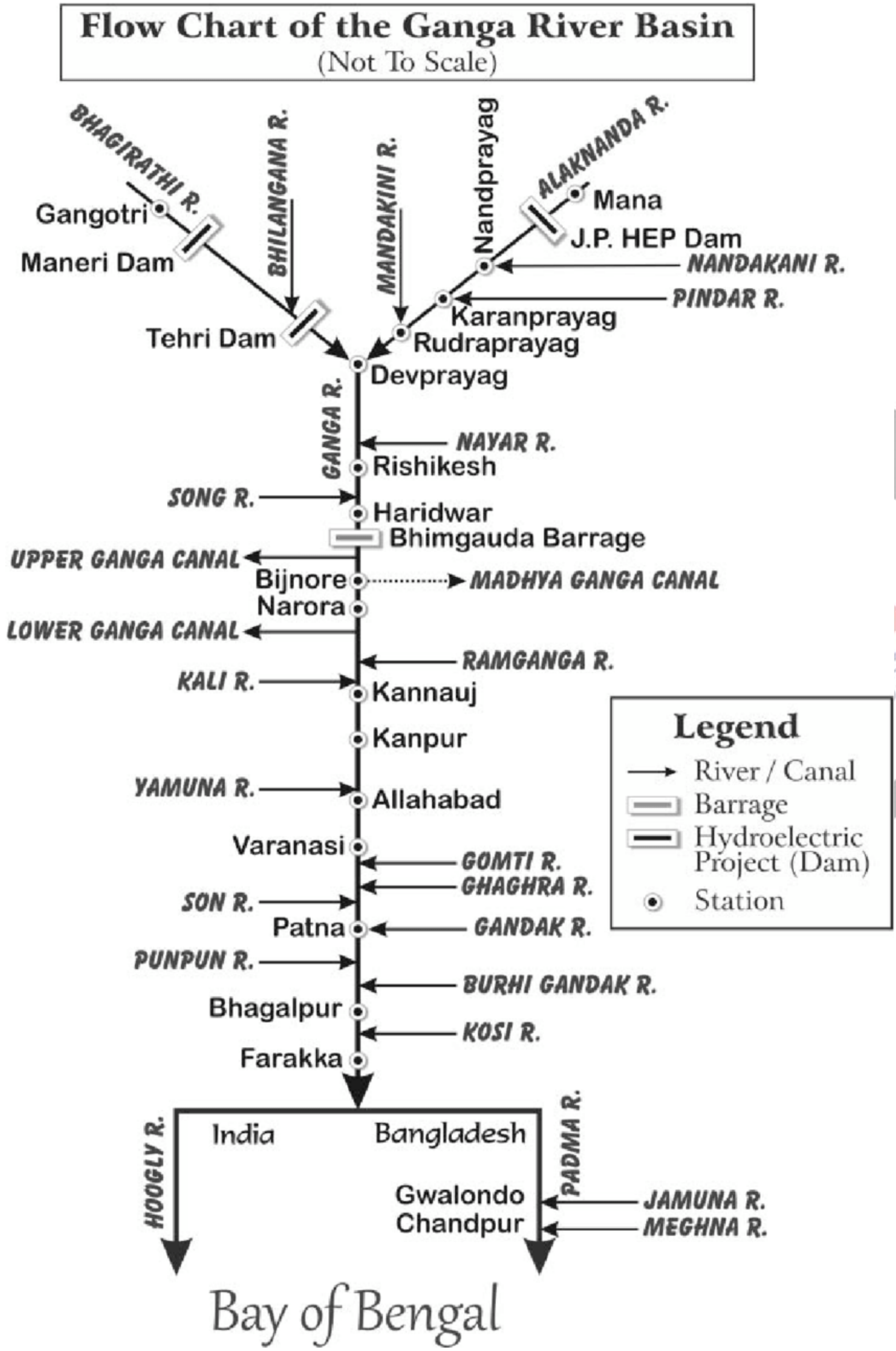

नमामि गंगे कार्यक्रम क्या है?

- **परिचय:** यह राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण में प्रभावी कमी लाने के साथ इसके **संरक्षण और कायाकल्प के दोहरे उद्देश्यों** को पूरा करने के लिये

एक एकीकृत संरक्षण मशिन है।

- इसे **जून 2014** में केंद्र सरकार द्वारा **20,000 करोड़ रुपए** के बजट परिव्यय के साथ **'फ्लैगशपि कार्यक्रम' के रूप में अनुमोदति कयिा गया था।**
- फ्लैगशपि कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, शक्षिा, पर्यावरण, सचिाई, शहरी और ग्रामीण वकिास आदिसे संबंधति**प्रमुख राष्ट्रीय चतिाओं को हल कयिा जाता है।**

- **कार्यक्रम के प्रमुख स्तंभ:**
  - **सीवेज उपचार अवसंरचना: अपशष्टि जल का** प्रभावी प्रबंधन करना।
  - **नदी सतह की सफाई:** नदी की सतह से **ठोस अपशष्टि और प्रदूषण को** हटाना
  - **वनारोपण:** पेड़ लगाना और **हरति आवरण** का वस्तिार करना।
  - **औद्योगकि अपशष्टि नगिरानी: नदी को हानकिारक औद्योगकि अपशष्टिों** से बचाना।
  - **नदी-तट का वकिास:** सामुदायकि सहभागति एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लयि नदी के कनिारे **सार्वजनकि स्थलों का** नरि्माण करना।
  - **जैववविधिता:** नदी के **पारस्थितिकिी स्वास्थ्य** को बेहतर बनाने के साथ ववििध जैवकि समुदायों को समर्थन देना।
  - **जन जागरूकता: नदी संरक्षण** के महत्त्व के बारे में नागरकिों को शक्षिति करना।
  - **गंगा ग्राम:** गंगा नदी के मुख्य तट के कनिारे स्थति गाँवों को **आदर्श गाँवों के रूप में वकिसति करना।**
- **एकीकृत मशिन दृष्टकिोण: इसके तहत आर्थकि वकिास को पारस्थितिकिी सुधार के साथ** जोड़ने पर बल देने के साथ सतत् वकिास के प्रतपि्रतबिद्धता प्रदर्शति की गई है।
  - **स्वच्छ ऊर्जा, जलमार्ग,** जैववविधिता संरक्षण और **आर्द्रभूमि वकिास** को वर्तमान और भवषि्य की पहलों के संदर्भ में प्राथमकिता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है।

टेम्स नदी की पुनर्वहाली से संबंधति केस स्टडी

- **अवलोकन:** टेम्स नदी को **1950 के दशक में "जैवकि रूप से मृत" घोषति कर दयिा गया था जसिमें** शहरी प्रदूषण, औद्योगकि अपशष्टि और **अपर्याप्त सीवेज प्रणालयिों के कारण** घुलति ऑक्सीजन का स्तर अत्यंत **कम हो गया था।**
  - **शहर की बढ़ती आबादी और नम्नि स्तरीय स्वच्छता प्रबंधन** के कारण यह नदी कचरे का डंपगि क्षेत्र बन गई।
  - फ्लीट जैसी प्रमुख सहायक नदयिाँ (जो मध्य लंदन से होकर गुजरती हैं) **दुर्गन्ध के कारण काफी चर्चा में रहीं।**
- **वर्ष 1858 की दुर्गंध: वर्ष 1858 की भीषण गर्मी के दौरान यह नदी प्रदूषण की समस्या के चरमोत्कर्ष पर पहुँची,** जसिे **ग्रेट स्टकि के नाम से जाना जाता है।**
  - टेम्स नदी में मानव और औद्योगकि अपशष्टि के उच्च स्तर के कारण व्यापक**लोक स्वास्थ्य संबंधी चतिाएँ उत्पन्न हो गई, जसिके परणािमस्वरूप सविलि इंजीनयिर सर जोसेफ बाज़ेलगेट** द्वारा डज़िाइन कयिे गए सीवेज नेटवर्क को अपनाया गया।
- **पुनरुद्धार प्रयास:** 1970 के दशक तक टेम्स नदी में प्रवेश करने वाले सभी सीवेज का **उपचार कयिा गया** तथा **वर्ष 1961 और 1995 के बीच लागू कयिे गए नयिमों से** जल की गुणवत्ता में सुधार हुआ।
  - वर्ष 1989 में स्थापति **राष्ट्रीय नदी प्राधकिरण ने जल गुणवत्ता की नगिरानी** और प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई।
  - 20 वीं सदी के अंत में **"बबलर्स"** के नाम से जाने जाने वाले ऑक्सीजनेटर्स की स्थापना से **घुलति ऑक्सीजन के स्तर में** काफी सुधार हुआ।
    - ये उपकरण जल में **ऑक्सीजन को बढ़ाते हैं जसिसे मछलयिों की संख्या के साथ समग्र जलीय स्वास्थ्य में सुधार होता है।**

राष्ट्रीय गंगा परषिद क्या है?

- **राष्ट्रीय गंगा परषिद (NGC):** इसका गठन **वर्ष 2016 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसनि प्राधकिरण (NGRBA)** के वघिटन के बाद **पर्यावरण (संरक्षण) अधनियिम, 1986** के प्रावधानों के तहत कयिा गया था।
- **उद्देश्य:** NGC का लक्ष्य व्यापक और समन्वति दृष्टकिोण के माध्यम से गंगा नदी और उसकी सहायक नदयिों के**पुनरुद्धार, संरक्षण एवं प्रबंधन को सुनश्चिति करना है।**
- **मंत्रालय: जल संसाधन, नदी वकिास और गंगा संरक्षण** मंत्रालय **(MoWR, RD & GR)** इसके लयि नोडल मंत्रालय है।
- **कार्य:** यह इस संदर्भ में **नीतयिाँ** और रणनीतयिाँ तैयार करने के साथ प्रदूषण नविारण, पारस्थितिकिी बहाली एवं नदी संसाधनों के सतत् प्रबंधन से संबंधति पहलों की **प्रगतिकी नगिरानी करता है।**
- **शासन:** इसकी अध्यक्षता **प्रधानमंत्री** और उन राज्यों (अर्थात **उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बहिार, झारखंड और पश्चमि बंगाल** आदि) के मुख्यमंत्रयिों द्वारा की जाती है जहाँ से गंगा प्रवाहति होती है।

नमामिगंगे कार्यक्रम से संबंधति चुनौतयिाँ क्या हैं?

- **आँकड़ों और प्रभावी नगिरानी का अभाव:** 31 दसिंबर, 2023 तक **457 परयिोजनाएँ** शुरू की गई थीं। इनमें से**केवल 280 ही** पूरी या **"शुरू" हो पाई हैं।** इनमें से ज़्यादातर परयिोजनाएँ STP के नरि्माण से संबंधति हैं लेकनि ऐसा **कोई डेटा नहीं है** जसिसे पता चले कि STP **वास्तव में कार्यरत हैं।**
- **सहायक नदयिों की उपेक्षा:** वशिेषज्ञों का कहना है कि **छोटी नदयिों की उपेक्षा ने** समग्र सफाई प्रयासों को बाधति कयिा है। उदाहरण के लयि, **गोमती नदी** में **ऑक्सीजन का स्तर कम है** जसिसे यह जैववविधिता के लयि अनुपयुक्त हो गई है।
- **औद्योगकि प्रदूषण: कानपुर** में चमड़े के कारखानों में अपशष्टिों का उचति तरीके से उपचार नहीं कयिा जाता है जसिके कारण उत्सर्जति अपशष्टि

में **क्रोमियम जैसे हानिकारक पदार्थों की मात्रा** बहुत अधिक हो जाती है।

- **लागत में वृद्धि:** [CAG](#) ने अपनी रिपोर्ट में इस कार्यक्रम के संदर्भ में अनुचित वित्तीय प्रबंधन का संकेत दिया और कहा कि **वर्ष 2014-15 से 2016-17 के** दौरान **केवल 8 - 63% धनराशि का ही उपयोग किया गया।** CAG ने मीडिया अभियानों पर केंद्र सरकार के **अत्यधिक खर्च के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की।**
- **वर्तमान पर्यावरणीय खतरे: अवैध रेत खनन** से नदी के प्रवाह में और अधिक बाधा उत्पन्न होती है।

आगे की राह

- **वित्तीय प्रबंधन को बढ़ावा देना: नमामि गंगे कार्यक्रम के लिये आवंटित धन का** प्रभावी और पारदर्शी तरीके से उपयोग सुनिश्चित करके **वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं में** सुधार करना चाहिये। व्यय पर निगरानी रखने के क्रम में सख्त **ऑडिटिंग एवं रिपोर्टिंग** तंत्र लागू करना चाहिये।
- **विनियमन को सुदृढ़ बनाना:** पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों एवं अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को प्रोत्साहन देने के माध्यम से **धारणीय औद्योगिक प्रथाओं को** बढ़ावा देना चाहिये।
- **सहायक नदियों के पुनरुद्धार प्रयासों को महत्त्व देना:** सहायक नदियों और छोटी नदियों के **प्राकृतिक प्रवाह और जैवविविधता को** बहाल करने सहित इनके **स्वास्थ्य** में सुधार हेतु लक्षित कार्रवाई की जानी चाहिये।
- **निगरानी और डेटा प्रणाली:** नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत सभी परियोजनाओं के डेटा को एकीकृत करने वाला **केंद्रीकृत डेटाबेस विकसित करना** चाहिये, जिससे प्रगति की बेहतर ट्रैकिंग के साथ सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान हो सके।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: गंगा नदी के संरक्षण और कायाकल्प में नमामि गंगे कार्यक्रम और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की क्या भूमिका है?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs)

?????

प्रश्न: नमामि गंगे और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) कार्यक्रमों पर और इससे पूर्व की योजनाओं से मिश्रित परिणामों के कारणों पर चर्चा कीजिये। गंगा नदी के परिरक्षण में कौन-सी प्रमात्रा छलांगे, क्रमिक योगदानों की अपेक्षा ज़्यादा सहायक हो सकती हैं? (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/57th-meeting-of-national-mission-for-clean-ganga